अमर उजाला
amarujala.com
बरेली
रविवार, 24 सितंबर 2017

PAGE NO.: 1 MIDDLE, 13 BOTTOM RIGHT

प्रदेश के पांच जिला अस्पताल बनेंगे मेडिकल कॉलेज: सिद्धार्थ नाथ

बरेली। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि यूपी के पांच बड़े जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज में तब्दील किया जाएगा। यहां मेडिकल की पढ़ाई के साथ ही चिकित्सकीय सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी। इसके अलावा विश्व बैंक की मदद से जिला अस्पतालों की स्थिति सुधारी जाएगी। एक महीने में अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी दूर होगी। जनता को जल्द ही अस्पतालों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट में टेलीमेडिसिन बस और ई-हेल्थ सेंटर के शुभारंभ के बाद पत्रकारों से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के बड़े... >> शेष पेज 13, संबंधित 4 पर

पांच जिला अस्पताल बनेंगे मेडिकल कॉलेज...

175 अस्पतालों को ठीक करने और उनकी जर्जर स्थिति को सुधारने के लिए काफी धनराशि की जरूरत है। इसके लिए विश्व बैंक के एशिया पैसिफिक के हेड से बातचीत हो चुकी है। छह अक्तूबर को लखनऊ में इस संबंध में बैठक है। बातचीत के बाद ही इस मामले को आगे बढ़ाया जाएगा। अगले साल में जिला अस्पतालों की ओपीडी, आईपीडी और इमरजेंसी बदली नजर आएगी। जिन जिला अस्पतालों को मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा, उनके नामों की घोषणा जल्द कर दी जाएगी। बरेली में भी मेडिकल कॉलेज बनाया जा सकता है। उन्होंने पिछली सरकार में बने अस्पतालों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मानव संसाधन नहीं थे तो उनका निर्माण क्यों कराया गया। वर्ष 2011 से डॉक्टरों के रुके 7000 आवेदनों को निस्तारित कर 2065 डॉक्टरों को सेवा में लिया गया है।

प्रदेश में भी शुरू होगी टेलीमेडिसिन सेवा : दूर दराज के इलाकों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवा पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार भी जल्द ही टेलीमेडिसिन क्लीनिक शुरू करेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश में छह क्लस्टर बनाए जाएंगे जिसके लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव के चलते यह काफी मददगार साबित होगी। इसका कमांड लखनऊ से किया जाएगा।